पत्रावली पेश हुई। वकलाय फरीकैन अनुपस्थित। दोनों पक्षों को आवाज दिलवायी गयी किन्तु कोई भी उपस्थित नहि हुआ। अंतिम आवाज दिलवाणी आने पर भी वादि एवं प्रतिवादिगण मे से कोई भी उपस्थित नहि होने के कारण पत्रावली बहुक्म हाजरी अदम पैरवी में खारिज की जाती है। पत्रावली मिसल शुमार मानी जाकर बाद तकमील नम्बर से कम होकर दाखिल दफ्तर हो।

महेन्द्रसिंह आढ़ा
उपखण्ड अधिकारी
नाथद्वारा